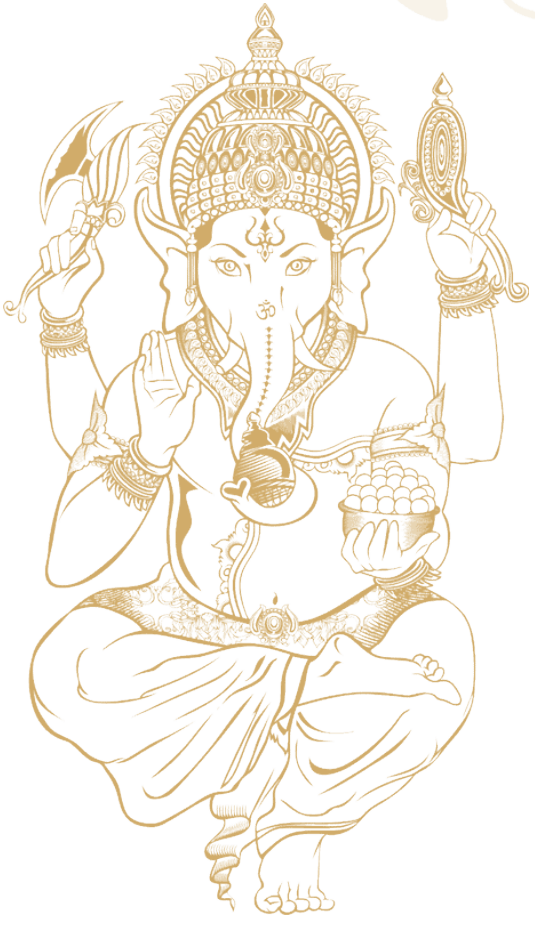

Mohit

04 Feb 1995

09:30 AM

Gohana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121111208

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/02/1995**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:30:00 घंटे**
इष्ट	05:47:49 घटी
स्थान	**Gohana**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:06:00 उत्तर
रेखांश	76:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:06:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:55 घंटे
साम्पातिक काल	18:02:16 घंटे
सूर्योदय	07:10:52 घंटे
सूर्यास्त	18:03:29 घंटे
दिनमान	10:52:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:04:20 मकर
लग्न के अंश	07:01:46 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:01:46	518:31:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
सूर्य			मक	21:04:20	01:00:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	13:31:42	12:37:44	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
मंगल	व		सिंह	02:13:37	00:22:39	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	मक	20:36:23	01:13:22	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	17:01:32	00:09:01	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			धनु	05:27:11	01:07:04	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
शनि			कुंभ	17:37:58	00:06:51	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	15:38:23	00:04:49	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	15:38:23	00:04:49	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:40:44	00:03:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:03:21	00:02:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:34:57	00:00:59	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			धनु	06:43:57	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:31

लग्न-चलित

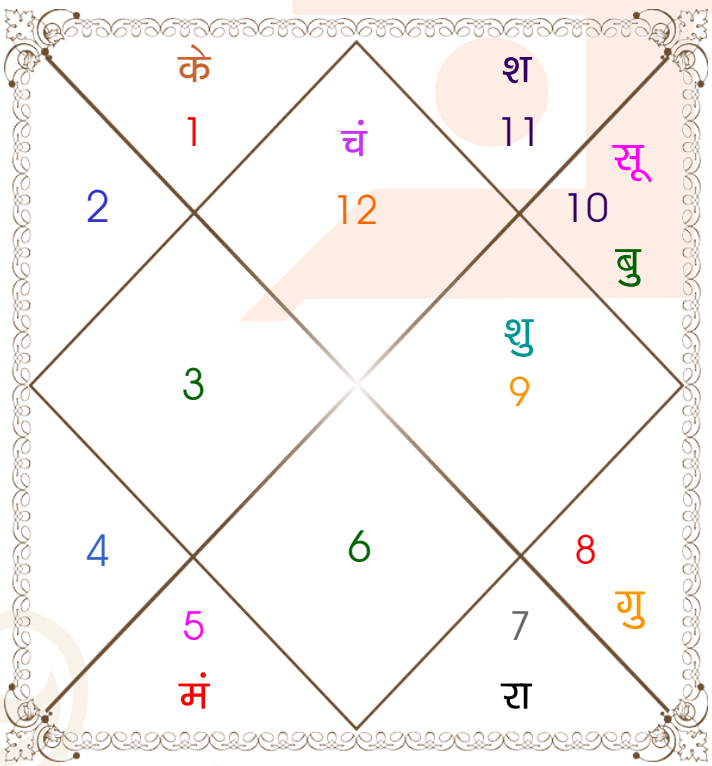

चन्द्र कुंडली

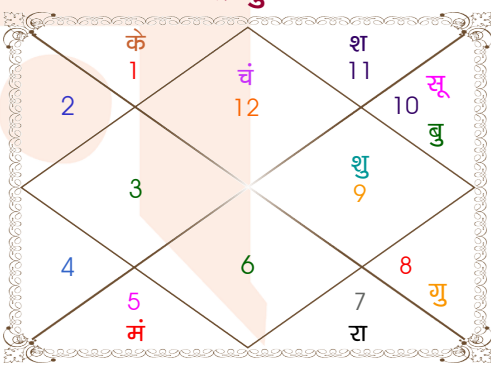

नवमांश कुंडली

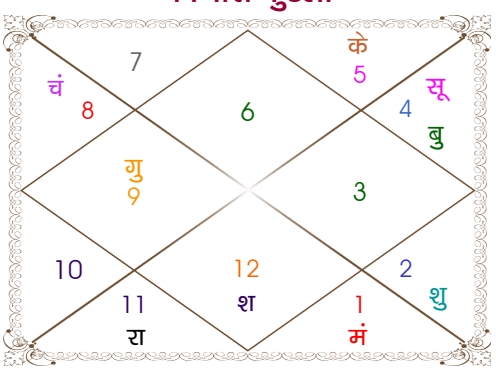

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 5 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/02/1995		26/07/1999		26/07/2016		26/07/2023		26/07/2043	
26/07/1999		26/07/2016		26/07/2023		26/07/2043		26/07/2049	
	00/00/0000	बुध	22/12/2001	केतु	22/12/2016	शुक्र	25/11/2026	सूर्य	13/11/2043
	00/00/0000	केतु	19/12/2002	शुक्र	21/02/2018	सूर्य	25/11/2027	चंद्र	14/05/2044
	00/00/0000	शुक्र	19/10/2005	सूर्य	29/06/2018	चंद्र	26/07/2029	मंगल	18/09/2044
	00/00/0000	सूर्य	26/08/2006	चंद्र	28/01/2019	मंगल	25/09/2030	राहु	13/08/2045
	00/00/0000	चंद्र	25/01/2008	मंगल	26/06/2019	राहु	25/09/2033	गुरु	01/06/2046
	00/00/0000	मंगल	21/01/2009	राहु	13/07/2020	गुरु	26/05/2036	शनि	14/05/2047
	04/02/1995	राहु	11/08/2011	गुरु	19/06/2021	शनि	26/07/2039	बुध	20/03/2048
राहु	12/01/1997	गुरु	15/11/2013	शनि	29/07/2022	बुध	26/05/2042	केतु	26/07/2048
गुरु	26/07/1999	शनि	26/07/2016	बुध	26/07/2023	केतु	26/07/2043	शुक्र	26/07/2049

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/07/2049		26/07/2059		26/07/2066		26/07/2084		27/07/2100	
26/07/2059		26/07/2066		26/07/2084		27/07/2100		00/00/0000	
चंद्र	26/05/2050	मंगल	22/12/2059	राहु	07/04/2069	गुरु	13/09/2086	शनि	30/07/2103
मंगल	25/12/2050	राहु	09/01/2061	गुरु	01/09/2071	शनि	26/03/2089	बुध	09/04/2106
राहु	25/06/2052	गुरु	16/12/2061	शनि	08/07/2074	बुध	02/07/2091	केतु	18/05/2107
गुरु	25/10/2053	शनि	25/01/2063	बुध	24/01/2077	केतु	07/06/2092	शुक्र	18/07/2110
शनि	26/05/2055	बुध	22/01/2064	केतु	12/02/2078	शुक्र	06/02/2095	सूर्य	30/06/2111
बुध	25/10/2056	केतु	19/06/2064	शुक्र	11/02/2081	सूर्य	25/11/2095	चंद्र	28/01/2113
केतु	26/05/2057	शुक्र	19/08/2065	सूर्य	06/01/2082	चंद्र	26/03/2097	मंगल	09/03/2114
शुक्र	25/01/2059	सूर्य	25/12/2065	चंद्र	08/07/2083	मंगल	02/03/2098	राहु	05/02/2115
सूर्य	26/07/2059	चंद्र	26/07/2066	मंगल	26/07/2084	राहु	27/07/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।